गोरखनाथ जी आन पधारो | By Prakash Chauhan

गोरखनाथ जी आन पधारो बाछल तुम्हे बुलावे
बाबा जी तेरो ध्यान लगावे जगमग ज्योत जलावे

बाँझ बाँझ कह कर के मुझको दुनिया हंसी उड़ावे
पल पल तुमको याद करे नैनो से नीर बहावे
अगर ना आये जान गवाऊं बाछल वचन सुनावे
बाबा जी तेरो ध्यान लगावे जगमग ज्योत जलावे

गोरख जी का गूगल खाया पुत्र रतन धन पाया
जनम लिया फिर गोगाजी ने खुशी का दिन है आया
संतो की जो सेवा करता कभी नहीं दु:ख पावे
बाबा जी तेरो ध्यान लगावे जगमग ज्योत जलावे

जन्मे प्रभु चौहान वंश में चम्तकार दिखलाया
पदम् नाग अवतारी ने मेडी का भाग्य जगाया
हर साल लगता है मेला हर कोई देखने आवे
बाबा जी तेरो ध्यान लगावे जगमग ज्योत जलावे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%96%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a8-%e0%a4%aa%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8b-by-prakash-chauhan/